RRB ALP & TECHNICIAN 2024
&
झारखण्ड पुलिस भर्ती
Pilot Batch (CBT- 1&2)
सेवक बैच
HISTORY
मौर्योत्तर काल
Part -3
LIVE 29-02-2024 09:00 AM

कुषाण वंश :

⇒ कुषाण मध्य एशिया में पश्चिमी-चीन के यूची जाति के थे।

⇒ कनिष्ठ यूची :- जो तिब्बत की ओर

⇒ ज्येष्ठ यूची :- जो पश्चिम की ओर उन्होंने पार्थिया, बैक्ट्रिया आदि के शासकों को पराजित किया

① ⇒ **कुजुल कडफिसेस :** (15 AD – 65 AD)

→ संस्थापक :- कुजुल कडफिसेस

⇒ भारत में सर्वप्रथम कुजुल कडफिसेस नामक कुषाण ने आक्रमण कर भारत के पश्चिमोत्तर प्रदेश पर अधिकार कर लिया।

⇒ तांबे के सिक्के चलाए।

② विम कडफिसेस :- (65 AD - 78 AD)

⇒ भारत में कुषाण शक्ति का वास्तविक संस्थापक माना जाता है।

⇒ विम कडफिसेस शैव मत का अनुयायी था।

(Imp) ⇒ भारत में सर्वप्रथम स्वर्ण सिक्के चलाने का श्रेय विम कडफिसेस को जाता है।

③ कनिष्क :- (78 AD – 101, 103, 105, 110 AD) → द्वितीय अशोक

राजधानी :- पेशावर / पुरुषपुर — दूसरी राजधानी — मथुरा

⇒ राजा कनिष्क का राज्यारोहण 78 AD भारत में शक संवत का सूचक है।

प्रथम माह :- चैत्र

अन्तिम माह → फाल्गुन

→ राष्ट्रीय पांचांग आधारित है।

→ 22 March 1957

⇒ चतुर्थ बौद्ध संगीति :- 98 ई० (प्रथम शताब्दी) → कुण्डलवन (कश्मीर) → अध्यक्ष - वसुमित्र

उपाध्यक्ष :- अश्वघोष

महायान

हीनयान

⇒ राजा कनिष्क बौद्ध धर्म की महायान सम्प्रदाय का अनुयायी था।

⇒ राजा कनिष्क ने चीन के शासक पान-चाओ से युद्ध किया, पहली बार पराजित हुऐ बाद में विजयी हुए।

⇒ राजा कनिष्क के समय दो कला शैलियो का निर्माण हुआ।

① गांधार कला शैली :- इंडो-ग्रीक शैली :- बुद्ध व बोधिसत्वो की मूर्तियों का निर्माण

↓ भारतीय व यूनानी कला का — यूनानी देवता अपोलो की नकल किया गया

काले स्लेट पाषाण

② मथुरा कला शैली :-

② मथुरा कला शैली :- लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग

बौद्ध, जैन व हिन्दू देवताओं की मूर्तियों का निर्माण किया गया है

⇒ बुद्ध के प्रथम मूर्ति के निर्माण का श्रेय इसी कला को जाता है।

⇒ विद्वानो का आश्रय :

⇒ दरबारी पुरोहित :- संघरक्ष

⇒ बौद्ध दार्शनिक :- अश्वघोष, वसुमित्र, पार्श्व

विद्वान → नागार्जुन → भारत का आइंस्टीन → माध्यमिक सूत्र की रचना की

चिकित्सक :- चरक :- चरकसंहिता के रचियता

⇒ कनिष्क के सारनाथ बौद्ध प्रतिमा अभिलेख की तिथि → 81 AD

⇒ बाल विवाह प्रथा आ० → कुषाण काल

⇒ कुषाण वंश का अंतिम शासक :- वासुदेव

मौर्योत्तरकालीन प्रमुख अभिलेख :

① शिनकोट अभिलेख :- राजा मिनांडर

② जूनागढ़ अभिलेख — रुद्रदामन

③ नानाघाट अभिलेख :- नागनिका

④ नासिक अभिलेख → गौतमी बल श्री

अयोध्या अभिलेख → धनदेव